केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में हिन्दी पखवाडे का शुभारंभ

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में आयोजित किए जा रहे हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा0 रामपाल सैनी, प्रधानाचार्य डी.ए.वी. महाविद्यालय, करनाल ने दीप प्रज्जवलित करके किया। हिन्दी पखवाड़ा समिति के अध्यक्ष डा. जोगेन्द्र सिंह ने हिन्दी के महत्व को बताते हुए राजभाषा के नियमों व अधिनियमों की विस्तृत जानकारी दी तथा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का विस्तृत विवरण दिया।

हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डा0 रामपाल सैनी ने कहा की हिन्दी भाषा का इतिहास समृद्ध इतिहास है जो भाव हम हिन्दी में व्यक्त कर सकते हैं। वह अंग्रेजी में नही कर सकते। हिन्दी राष्ट्र निर्माण में सहायक हो सकती है। हमे बच्चों को एप्पल की बजाए हिन्दी में बोलना सिखाना चाहिए। यदि हम अपनी मातृ भाषा को जीवित रखना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों को अच्छे संस्कार सिखाना चाहिए। हमें हिन्दी में सोचना, पढना, लिखना चाहिए। इस संस्थान में हिन्दी में हो रहे कार्य की सराहना की और उन्होनें कहा कि हिन्दी पखवाडे के दौरान हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक संचार एवं प्रसार होता है। जर्मनी व इटली इत्यादि देशों में अंग्रेजी का प्रयोग कम होता है तथा उनकी मातृ भाषा का प्रयोग अधिक होता है। हमें अपनी भाषा में मुहावरों का प्रयोग भी करना चाहिए। आज हम माता–पिता व शिक्षक के रूप में अपनी नई पीढ़ी को हिन्दी ठीक से नही सीखा पा रहे हैं। अगर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर देखने चाहते हैं तो हमें बेहतर उदाहरण स्वयं बनना होगा। उन्होंने आहवान किया कि हमें भी हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए।

डा0 श्रीमति नीना शर्मा ने कहा की हिन्दी सिर्फ भाषा नही है बल्कि अहसास है, यह हमारी पहचान है हिन्दी एक समृद्ध भाषा है जिसमें शब्दो की बहुलता है। इसमें सारी भाषाओं के शब्दों का समाहित किया गया है। डा0 अंजु बाला ने कहा की हमें हिन्दी में सारगर्भित एवं लय का ज्ञान होना चाहिए।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डा• प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और बताया कि स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया गया था कि राज–काज में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग 15 वर्ष तक होगा उसके बाद केवल हिंदी राज–काज की भाषा होगी लेकिन विरोध के कारण यह निर्णय लागू नही हो पाया। आज गूगल व याहू आदि वेबसाइटों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। भारतीय नेता विदेशों में जाकर विश्व मंच पर हिन्दी में भाषण देते हैं। हमें अपने दैनिक कार्य हिंदी में अधिक से अधिक करने चाहिए। हिंदी एक वैज्ञानिक तथा सरल भाषा है इसलिए इसका अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर डा0 श्रीमती नीना शर्मा, सभी प्रभागाध्यक्ष, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री आलोक कुमार, जनसंपर्क अधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा व संस्थान के समस्त वैज्ञानिक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। मंच संचालन डा. कैलाश प्रजापत ने किया। इस अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।